S.S.25

पाठ-५
रहीम के दोहे

प्र01. प्रेम का धागा टूटने पर पहले की भाँति क्यों नहीं हो पाता?

उत्तर जिस प्रकार जब कोई धागा टूट जाता है तो उस टूटे हुए धागे को जोड़ने के लिए गाँठ लगानी पड़ती है। जिसके कारण वह पहले की तरह नहीं हो पाता। उसी तरह जब कोई रिश्ता टूट जाता है। उस रिश्ते को जोड़ते तो उसमें पहले जैसा मिठास (प्रेम) नहीं रहती।

प्र02. हमें अपना दुःख दूसरों को क्यों नहीं कहना चाहिए? अपना मन की व्यथा दूसरों को कहने पर उनका व्यवहार कैसा हो जाता है?

उत्तर जब हम अपना दुःख दूसरों को बताते हैं तो दूसरे हमारे दुःख को बाँटने की बजाय उसका मजाक ही उड़ाते हैं। इसलिए अपने मन की व्यथा दूसरों

Scanned with OKEN Scanner

की कहने पर उनका व्यवहार हमारे प्रति अच्छा बदी होता।

प्र03. रहीम ने सागर की अपेक्षा पंक जल को धन्य की माना है।

उत्तर कीचड़ में जल की मात्रा कम होती है फिर भी इस जल से कई जीवों की प्यास बुझती है। लेकिन सागर का जल बहुत अधिक मात्रा होने के बावजूद भी किसी की प्यास नहीं बुझाती। इसलिए रहीम सागर जल की पंक जल को धन्य माना है।

प्र04. एक को साधने से सब कैसे सध जाते हैं।

उत्तर जिस तरह जड़ को सींचने से ही पेड़ फल और फूलों से लद जाता है अर्थात एक कार्य के पूरा होने पर अन्य कार्यों से रास्ता अपने आप खुल जाता है। अतः हमें एक साथ बहुत से कार्यों को न करके किसी एक कार्य का ध्यान करना

चाहिए।

प्र०5. जलहीन कमल की रक्षा सुर्य भी क्यों नहीं कर पाता?

उत्तर कमल के लिए जल ही संपत्ति है क्योंकि जल के बिना कमल को जरूरी पोषण नहीं मिलेगा। जल के बिना कमल का जीवन असंभव है। बिना जल कमल सुर्य भी रक्षा नहीं कर पाएगा बल्कि कमल सुर्य की गर्मी से झुलस कर मर जाएगा।

प्र०6. अवध नरेश को चित्रकुट क्यों जाना पड़ा?

उत्तर अवध नरेश को राम उनके पिता दशरथ ने वन जाने की आज्ञा दी इसलिए उन्हें चित्रकुट जाना पड़ा। अन्य था कोई भी व्यक्ति बिना मुसीबत के ऐसे स्थान पर रहने के लिए नहीं जाता।

प्र०7. नट किस कला सिद्ध होने के सिद्ध होने के कारण ऊपर चढ़ जाता है?

उत्तर नट के कुंडली मारने की महारत हासिल होती है।

वह कुंडली मार कर किसी भी मुद्रा में अपने शरीर को मोड़ सकता है। इस कारण। सांप वह आसानी से ऊपर चढ़ जाता है।

प्र०8. मोती मानुष और चुन के संदर्भ में पानी की महत्ता को स्पष्ट कीजिए?

उत्तर पानी के अभाव में मोती की चमक असंभव है। बिना पानी के मनुष्य सात दिन तक जीवित नहीं रह सकता है। आटे को बिना पानी के नहीं गूंधा जा सकता है। अतः पानी अत्यधिक महत्व है।

प्र० 9. निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए

टूटे से फिर न मिले, मिले गाँठ परि जाय।

भावार्थ जब कोई धागा एक बार टूट जाता है तो फिर उसे जोड़ा नहीं जा सकता। जोड़ने की कोशिश में उस धागे में गाँठ लग जाती है। प्रेम का धागा टूटने पर दुबारा जोड़ा नहीं जा सकता और जोड़ा भी उसमें

पहले जैसी मिठास नहीं रहती

2. सुनि अठिलैहैं लोग सब, बाँटि न लैहैं कोय।
उत्तर अपने दर्द को दूसरों से छीपाकर रखना चाहिए जब आपका दर्द किसी अन्य को पता चलता है तो लोग उसका मजाक ही उड़ाते हैं। कोई भी आपके दर्द को बाँट नहीं सकता। सभी आपके दर्द में आपका मजाक ही बनाते हैं।

3. रहिमन अलहि सींचिबो, फूलै फलै अघाय।
उत्तर एक बार में कोई एक कार्य ही करना चाहिए एक काम के पुरा होना से कई काम अपने-आप ही जाते हैं यदी एकही साथ कई कार्य करने की कोशिश करते हैं तो कुछ भी हाथ नहीं लगता वैसे ही जैसे जड़ में पानी डालने से पेड़ फल और फूलों से लद जाता है।

4. दीरघ दोहा अरथ के, आखर थोड़े आहि।
उत्तर किसी भी दोहे में कम शब्दों में ही बहुत बड़ा अर्थ

छिपा होता है। यह वैसे ही होता है जैसे नट की कुंडली होती है वह अपनी कुंडली में सिमट कर तरह-तरह के करतब दिखाता है।

5. नाद रीझितन देत मृग, नर धन हेत समेत।

उत्तर हिरण किसी के संगीत से खुश होकर अपना शरीर न्यौछावर कर देता है इसी तरह ~~कुछ~~ कुछ लोग किसी के प्रेम से खुश हो कर अपना सब कुछ दे देते हैं परंतु कुछ लोग बहुत कुछ ले लेते हैं लेकिन उसके ~~उसके~~ बदले में कुछ नहीं देते।

6. जहाँ काम आवे सुई, कहाँ करे तरवारि

उत्तर जहाँ छोटी चीज की जरूरत होते है वहाँ बड़ी चीज बेकार हो जाती है। जहाँ सुई की जरूरत होती है वहाँ तलवार की कोई जरूरत नहीं होती अतः किसी को छोटा समझ कर उसे मजाक नहीं उड़ाना चाहिए।

7. पानी रख्ब ऊपरें, मोती मानुष चुन।

उत्तर मनुष्य का जीवन बीना पानी असंभव है। पानी के बीना आटा गुंधा नही जा सकता।

Gadh 3/7/21